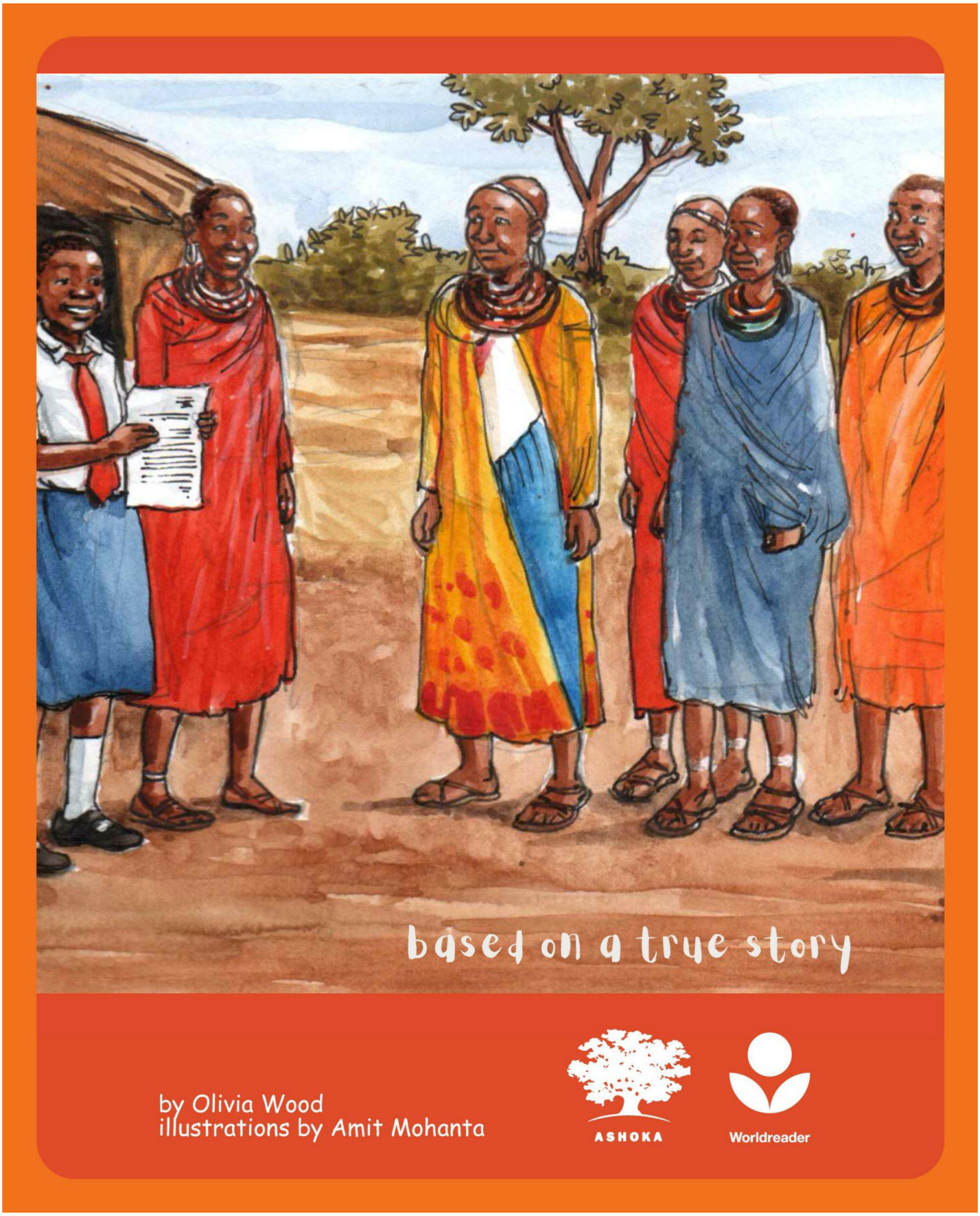
मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका (सत्य घटनापर आधारित)

Rebecca, the Maasai Changemaker- based on a true story (Maithili translation by Gajendra Thakur))



Maithili, English,

मसाई केर परिवर्तनकारी रेबेका (सत्य घटनापर आधारित)

Rebecca, the Maasai Changemaker- based on a true story (Maithili translation by Gajendra Thakur))

Tranalated into Maithili by Gajendra Thakur

Gajendra Thakur is editor of Videha, Ist Maithili Language Fortnightly eJournal ISSN 2229-547X at www.videha.co.in

Maithili, English,

Translated into Maithili by Gajendra Thakur

Translator Gajendra Thakur is editor of Videha, Ist Maithili Language Fortnightly eJournal ISSN 2229-547X at www.videha.co.in

ISBN GGKEY:NZX414PDF7A

मसाई सभक देश, माने दक्षिण-पच्छिम केन्या, मे रेबेका नाम्ना एकटा बचिया रहैत छली।

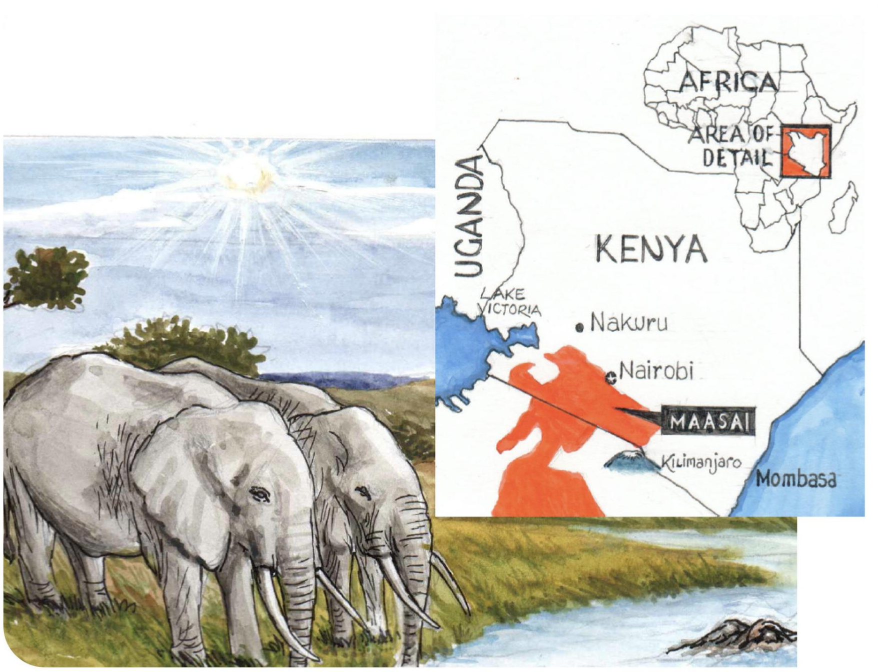
रेबेका एकटा पैघ राष्ट्रीय अभ्यारण्य लग रहैत छली, जतऽ सोना सन रङ्गक सिंह आ पैघ भूर रङ्गक हाथी सभ रहैत छल।

रेबेकाक परिवार लग माल-जाल, भेड़ आ बकड़ी सभ छलै आ ओकरा सभक भोजन लेल ओ सभ खेतीपर आश्रित छला। रेबेका स्कूल जाइ छली मुदा जखन ओ घरपर रहैत छली तँ माल-जालक देखभालमे ओ अपन परिवारक मदति करैत छली।

In the land of the Maasai, in Southwest Kenya, there isa girl named Rebecca.

Rebecca lives near a large national park, where there are golden lions, and big grey elephants.

Rebecca's family keep cattle, sheep and goats and depend on farming the land for food for their animals. Rebecca goes to school and helps her family care for the animals when she is home.



एकटा बड्ड गुमार बला दिन रेबेका अपन मायकेँ कानैत देखलक।

"ऐ बेर हमर सभक फसिल नीक नै भेल", ओ बाजलि। "आब अपना सभक बकड़ी आ भेड़ा सभ मरि ने जाय।"

One very hot day, Rebecca finds her mama[1] crying.

“Our crops have been bad this year,” she says.“Now our goats and sheep might die.”



1 '*mama*' is Kiswahili for mother

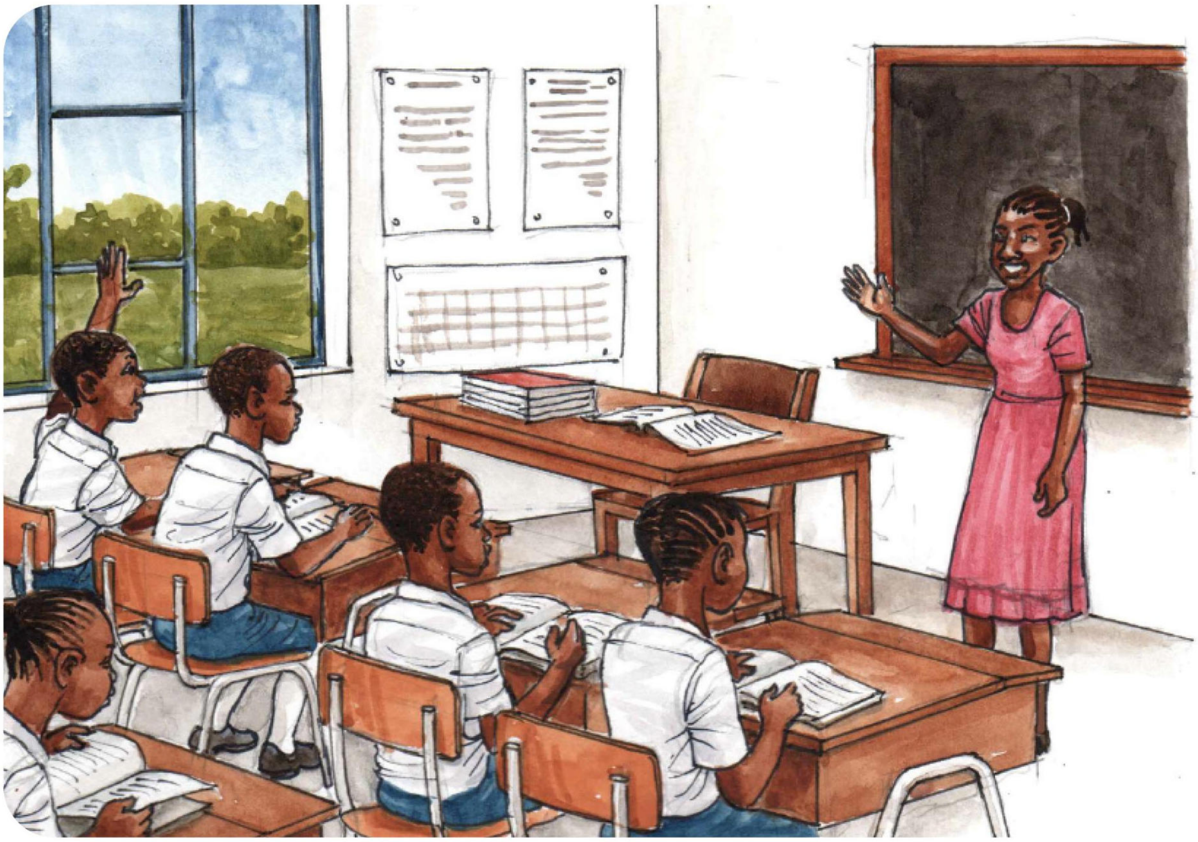
स्कूलमे रेबेका अपन शिक्षिकासँ पुछलक जे ऐ बर्ख एतेक कम बर्खा किए भेल?

"ऐ बर्ख दिनक दिन बीति गेल मुदा बर्खा भेबे नै कएल", ओकर शिक्षिका बजली।

"जखन बर्खा नै हएत तँ गाछ केना बढ़त। बिनु गाछ-पात आ पानिक अपना सभक माल-जाल मरि जायत।" वर्गमे सभ सकदम रहथि। ओ सभ अपन परिवार लेल, अपन मालजाल लेल आ अपन सर-समाज लेल चिन्तित रहथि।

At school, Rebecca asks her teacher why there has been so little rain this year. “We have had many days without rain,” says her teacher.

“When we have no rain, plants cannot grow. Without plants to eat and water to drink, our animals die.” Everyone in the class is quiet. They are worried for their families, their animals, and their community.



स्कूलक पुस्तकालयमे रेबेका बर्खा सम्बन्धी सूचना ताकय लागलि। जे ओकरा पता लगलै से बड़ दुखद रहै। ई विश्व गरम भेल जा रहल अछि, आ कम बर्खा भऽ रहल छै। ओ एकटा नव शब्दावली सिखैत अछि- "जलवायु परिवर्तन"।

कार, बस आ हवाइ जहाज सभ हवाकेँ मैल कऽ रहल अछि। गाछ सभ काटल जा रहल अछि आ ओइसँ घर बनि रहल अछि। आ कूड़ा सभ जमीनमे गारल जा रहल अछि। ई सभ प्रकृतिकेँ खराप कऽ रहल छै।

At the school library, Rebecca searches for information about rain. What she learns is difficult. The whole world is getting hotter, and there is less rain. She learns a new term: “Climate Change.”

Cars, buses and airplanes are making the air dirty. Trees are being cut down, and used to make buildings. And trash is buried in the ground. All these things are harming nature.



भरि दिन रेबेका उदास रहली। एकटा बच्चा ऐ सम्पूर्ण विश्वक मदति केना कऽ सकैत अछि?

रेबेका ऐ नव सीखल सूचनाक विषयमे अपन शिक्षिकासँ गप करबाक निर्णय केलक। "ई विश्व लेल एकटा बड्ड पैघ समस्या अछि", ओकर शिक्षिका बुझबै छथि। "मुदा किछु एहन गप छै जइसँ ऐमे मदति कऽ सकै छी, जेना गाछ लगेनाइ जइसँ प्रकृति मजगूत हएत।"

For the whole day Rebecca feels sad. What can just one girl do to help the whole world?

Rebecca decides to talk to her teacher about what she has learned. “It is a big problem for the earth,” her teacher explains. “But there are some things we can do to help, like planting trees to make nature stronger.”



रेबेका घर दिस जखने बिदा होइत अछि गरमीक कारण ओकरा पियास लागै छै आ ओ अपन पानिक बोतलसँ पानि पिबाक लेल थम्हि जाइत अछि। मुदा ओकरा बर्खाक कमीक विषय आ अपन सर-समाज लेल ओ केना एकर निदान निकालत, से सोचाइत रहै छै।

तखन ओकरा एकटा उपाय मोनमे अबैत छै। "हम कतेक किछु जलवायु परिवर्तनक विषयमे सिखलौं", ओ सोचैए। "जँ सभ कियो ऐपर सोचत तखन अइसँ खूब फाएदा भेटतै।

As Rebecca walks home, it is hot and she stops to drink from her water bottle. She can’t stop thinking about the lack of rain, and how she can help her community.

Then she has an idea. “I’ve learned so much about climate change,” she thinks. “It would help if everyone knew about this problem!”



अगिला दिन रेबेका विश्वक बदलैत जलवायु आ केना लोक प्रकृतिकेँ नोकसान पहुँचा रहल छथि, ऐ विषयपर अपन शिक्षिकासँ एकटा व्याख्यान देबा लेल कहैत अछि।

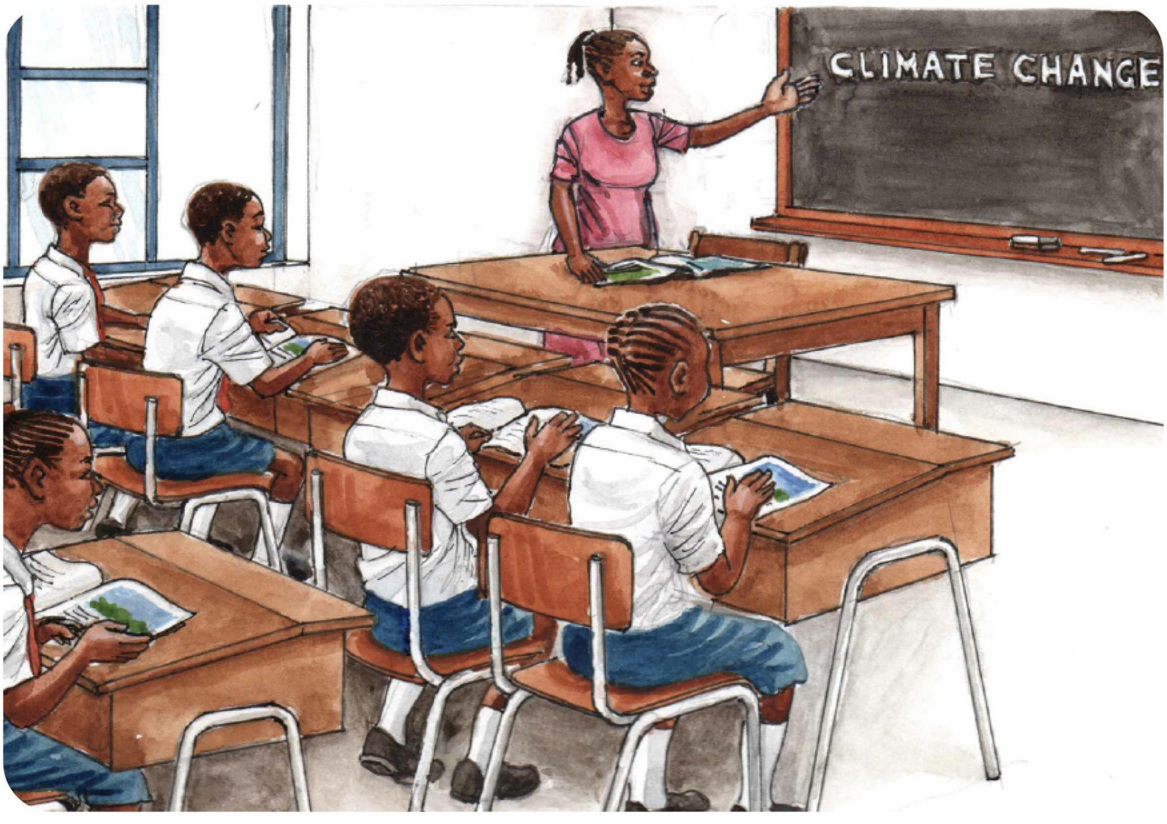
व्याख्यान होइत अछि आ तकर अन्तमे रेबेका ठाढ़ भऽ कऽ सभसँ कहैत अछि जे ओ सभ जे ई सिखलथि से अपन माय-बापकेँ घर जा कऽ सिखाबथु।

कनिये दिनमे सभ ऐ विषयपर गप्प-सप्प करय लगैत छथि जे मनुक्ख द्वारा प्रकृतिकेँ केना खराप कएल जा रहल छै।

The next day Rebecca asks her teacher to give a lesson about the world's changing weather, and the damage humans are doing to nature.

At the end of the class, Rebecca stands up. She asks everyone in her class to go home, and teach their parents about what they have learned.

In just a few days, everyone is talking about how humans are harming nature.



एक दिन बुढ़-बुढ़ानुस सभ रेबेकाक सङ एकटा मीटिङ रखैत छथि आ प्रकृतिक संरक्षण केना कएल जा सकैए तइपर चर्चा करैत छथि। बुढ़-बुढ़ानुस सभ शुक (कम्बल) ओढ़ने छथि जे लाल-टुहटुह अछि, आ ओ सभ हाथ आ गरदनिमे ढेर रास चूड़ी-कड़ा सेहो पहिरने छथि।

एतेक पैघ समस्या चारू कात! आ प्रकृतिकेँ बेशी नोकसान दूर रहै बला नग्रक लोक पहुँचा रहल छथि।

एकटा वरिष्ठ कहलन्हि- "केन्याक राष्ट्रपतिकेँ एकटा चिट्ठी लिखै जाउ", "हुनका ई जानकारी हेबाक चाही जे हम सभ बिनु बर्खा नै जीबि सकै छी। भऽ सकैए तखन ओ प्रकृतिक संरक्षण लेल कानूनमे परिवर्तन करथि।"

One day, the Elders hold a meeting to talk with Rebecca about what can be done to help nature. The Elders' Shukas are bright red, and they have many bracelets on their heads and wrists.

The problem they face is so big. And most of the harm to nature is happening in big cities, far away from their community.

“Let’s write a letter to the President of Kenya,”one Elder says. “He needs to know that we cannot live with no rain. Then maybe he will make changes to our laws to stop harming nature.”



रेबेका ओइ चिट्ठीकेँ लैत अछि आ अपन वर्गक आन छात्रकेँ देखबैत अछि। ओ सभ छात्र अपन परिवारक लोककेँ ओइ चिट्ठीक पक्षमे हेबाक प्रमाणक रूपमे नीचाँमे हस्ताक्षर करैले कहैत छथि।

Rebecca takes the letter and shares it with her classmates. They each ask their families to sign their name at the bottom to show their support.



नैरोबीमे राष्ट्रपति मसाई समुदायक ओइ चिट्ठीकेँ पढ़ैत छथि। हुनका लग देशक अन्य भागसँ सेहो कएक टा चिट्ठी आयल छन्हि। "हमरा प्रकृति संरक्षण लेल केन्याक मदति करबाक चाही।"

मसाई समुदायमे सभ कियो अपन घरक सोझाँ एकटा गाछ लगेबाक निर्णय केलन्हि। रेबेका अपन मायक संग एकटा खधाइ खोदलक आ ओइमे गाछ रोपलक।

In Nairobi, the President reads the letter from the Maasai community. He has had many other letters, from other parts of the country. “I need to help Kenya protect nature,” he thinks.

In the Maasai community, everyone agrees to plant a tree outside their home. Rebecca and her Mother dig the hole together, and put the seedlings in the soil.



रेबेकाक विद्यालयमे प्रिंसिपल छात्र सभसँ गप करैत छथि। ओ सभ रेबेकाकेँ सभसँ आगाँ ठाढ़ होइले कहैत छथि।

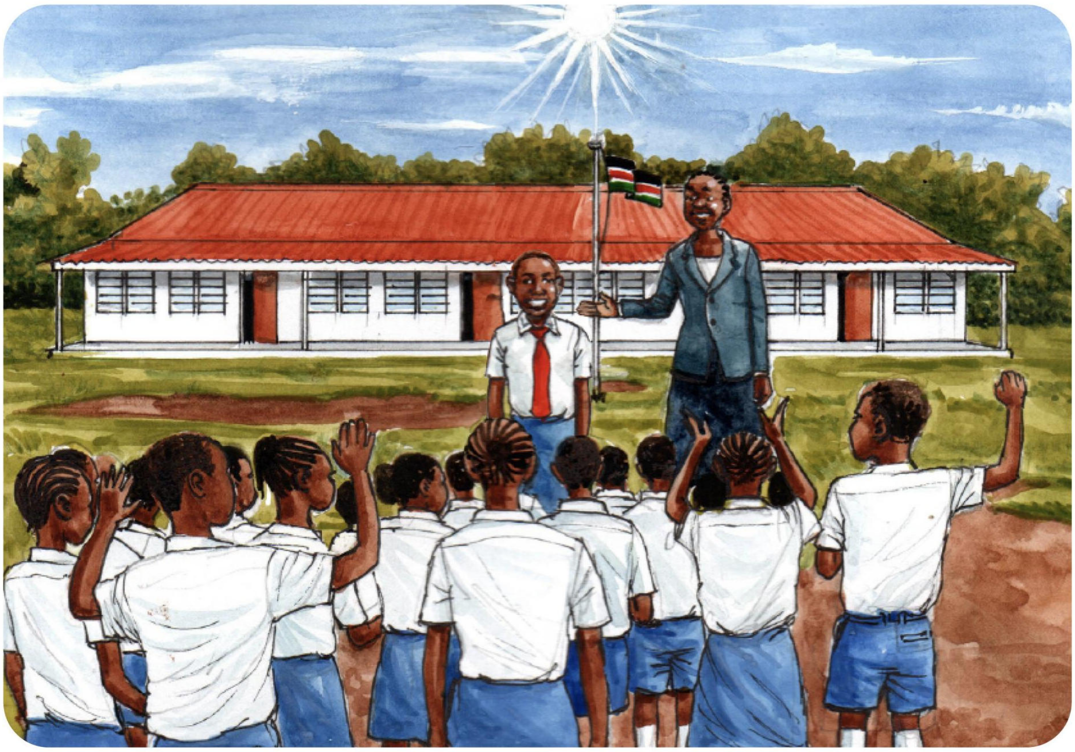
"पर्यावरणक संरक्षण सभसँ पैघ काज थिक- आ विश्वक सभ लोकक ऐलेल सहयोग चाही।" प्रिंसिपल कहलन्हि, "मुदा हम सभ विशेष कऽ रेबेकाकेँ धन्यवाद दै छी जे हमरा सभकेँ सिखबाक आ परिवर्तन अनबाक लेल प्रेरित केलन्हि। सोचि कऽ देखू जँ सभ गोटे अपना सभक समुदायक सहायता करितथि!"

रेबेका खूब प्रसन्न अछि। ओ पहिनहियेसँ सोचि रहल छथि जे ओ आ ओकर संगी केना पर्यावरण आ अपन समुदाय लेल किछु आर करथि।

At Rebecca's school, the head teacher talks to all the students. They ask Rebecca to stand at the front.

"Protecting the environment is a big job - and everyone in the world has to help." The Principal says, "But we would like to thank Rebecca especially, for helping us learn and make a change. Imagine if we all helped our community!"

Rebecca is so happy. She already is thinking about what she and her friends can do next to help nature and her community.



कार्य १: हमर पड़ोसी सँ प्रेम करू

उमेर: ३-८

क्षमता: सहृदय वार्ता

समान: किछु कुर्सी

किए? समस्या समाधान लेल हमरा सभकेँ दोसराक समस्या सहृदयतासँ सुनबाक चाही। सतही आ पहिल भेँटक अनुभवक विपरीत अपन परियोजना आ आकांक्षाक आधार वास्तविकताकेँ बुझब बनाउ। अपनाकेँ एक-दोसरासँ जुड़ल हेबाक आ अपनाकेँ महत्वपूर्ण बुझबाक अनुभव हेबाक चाही।

केना? जे क्रीड़ा आगाँ देल ज़ा रहल अछि से छात्र लोकनिक मध्यक सझिया अनुभवकेँ बाहर निकालबाक एकटा नीक उपाय अछि, ऐ सँ एक दोसराक पृष्ठभूमि आ रुचिकेँ नीक जेकाँ बुझैमे आ सभकेँ एक्के समुदायक हेबाक भावनाकेँ बढ़ेबामे मदति भेटत। ई क्रीड़ा वर्गमे बा घरोपर खेला सकैत छी।

१. पूर्वकार्य: क्रीड़ा प्रारम्भ केलासँ पूर्व सभटा कुर्सीकेँ गोल वृत्तमे लगाउ जइसँ सभ कुर्सी एक दोसराक सोझाँ बला क्रममे हुअय। सभकेँ बुझा दियौ जे सभक बेर एतै आ ओ सीट लेल रेस सावधानीसँ लगाबथि। सभकेँ वृत्ताकारमे कुर्सीपर बैसबा लेल बजाउ, कोनो कुर्सी खाली नै रहय।

२.क्रीड़ा प्रारम्भ: क्रीड़ाक प्रारम्भमे एकटा नामित खिलाड़ी बीचमे ठाढ़ भऽ कऽ अपना विषयमे कोनो एकटा सत्य जानकारी सभकेँ बतबैए। सभ कुर्सी भरल अछि। जेना: "हमरा अपन पड़ोसी नीक लगैए जकरा एकटा छोट भाय छै।" कुर्सीपर बैसल ओ सभ जकरा संगे ई कथन सेहो लागू होइ छै ओ सभ कुर्सीसँ उठि कऽ ओतऽ ओतऽ बैसि जाथि जइसँ ऐमे सँ कियो गोटे एक दोसराक बगलमे नै बैसि पाबथि। आ आब जे बीचमे ठाढ़ छथि हुनको कुर्सी चाही से एक गोटेकेँ उठऽ पड़तन्हि। आ आब ओ उठि कऽ बीचमे ठाढ़ हेता आ अपना विषयमे कोनो सत्य वक्तव्य देता। जेना, "हमर स्पेनिश बाजैबला पड़ोसी जे छथि से पसिन्न छथि" बा "हमरा फुटबॉल जे पड़ोसी खेलाइ छथि से पसिन्न छथि।"

आ क्रीड़ा तावत चलैए जाधरि सभक बेर कमसँ कम एक बेर नै आबि जाइ छै।

Activity #1: Love My Neighbor
Age Group: 3-8
Skill: Empathy Communication
Materials: Chairs

Why? In order to solve problems, we need to understand the experiences of others with empathy. We must look beyond first impressions and superficial labels, and replace our projects and expectations with real understanding. It is important for us to feel connected to one another and feel valued.

How? The following game is a great way to uncover shared experiences among students, to deepen understanding of one another's background and interests, and to reinforce a sense of community. This game can be played in a classroom or at home.

1. Setup: Before starting the game, set up chairs in a circle facing each other. Make sure everyone understands that everyone will get a turn and that they need to be careful in racing for the seats. Invite everyone to sit in the chairs around the circle.

2. Play game: Play begins when the designated player, standing in the middle of the circle, makes a statement that is true about him or herself. For example: "I love my neighbor who has a little brother." Everyone seated for whom this statement is true must stand and move to a chair not directly next to them. The person in the middle is also looking for a chair, thus leaving one participant without a chair.

That person moves to the middle and continues the game by making a statement that is true about him or herself.

For example, "I love my neighbor who speaks Spanish" or "I love my neighbor who loves to play soccer."

The game continues so that everyone gets at least one turn to make a statement.

३.आत्मावलोकन: क्रीड़ामे अपन अनुभव सझिया करू। दोसराक विषयमे अहाँकेँ की जानकारी भेटल? किछु नव कार्यक लेल किछु गोटेक तत्परता अहाँकेँ आश्चर्यचकित केलक? असगर रहबाक अनुभव केहन छल? जखन अहाँ देखलौं जे अहाँक अनुभव दोसरो लोक लग छन्हि तँ तकर अनुभूति केहन रहल?

कार्य २: आशा हमर चारूकात अछि

उमेर- ५-१२

क्षमता: सहृदयता, आत्मविश्वास

सामिग्री: कागच, कलम बा कैमरा

किए? कखनो काल ओइ छोट-छोट बौस्तुक हम महत्त्व नै बुझै छी जे हमरा सभक चारू कात अछि आ हमरा सभक जीवनकेँ अर्थ दैत अछि। परिवर्तनकारी लोक मात्र समस्या तकिते नै छथि वरन ओ ओतऽ अवसर सेहो देखैत छथि। परिवर्तनकारी आशासँ आगाँ बढ़ैत छथि, डर बा भयसँ नै।

केना? ई ५ दिनुका काज थिक आ अहाँकेँ ५ टा बौस्तु तकबाक अछि जे ऐ पाँचो दिनमे एकाएकी अहाँकेँ प्रसन्न केलक। ऐसँ अहाँकेँ अहाँक चारू कातक बा अहाँक भीतर स्थित शक्तिक अहाँकेँ परिचय कराओत।

सभ दिन ओइ बस्तुक नाम लिखू, चित्र बनाउ बा फोटो खीचू जे अहाँकेँ प्रसन्न केलक। सोचू की अहाँकेँ हँसबैए? की ई दोसरोकेँ हँसबै छै? अहाँकेँ प्रफुल्लताक अनुभव किए होइए?

जेना सभ शुक्रकेँ विद्यालयसँ घर जाइत काल किछु चहटगर खेबा बला चीज अहाँ लऽ लै छी आ सभ संगी खूब प्रसन्न होइ छथि! एहने एकटा फोटो संगी सभक संग खीचू।

५ दिनुका बाद ५ दिनुका घटना सभपर गहिंकी नजरि दौगाउ

कोनो मित्र बा परिवारक सदस्यसँ गप करू। ओइ सभ घटनाक चर्चा करू जे अहाँकेँ प्रसन्न केलक! अहाँ अपन आ अपन समुदायक विषयमे की सिखलौं?

कार्य ३: अनुभव करब, सोचब, करब आ साझी करब

उमेर: ५-१५

क्षमता: गुण-दोष देखैत सोचब, समस्या-समाधान

सामिग्री: कागच, पेन्सिल

किए? सहृद्यता देखै आ विचारैसँ आओत। जेना निष्कर्ष लिखलासँ कम उमेरक लोक सिखल चीजकेँ आत्मसात कऽ सकताह। अनुभव आधारित प्रश्न कम उमेरक लोककेँ अपन भावनाकेँ चिन्हैमे आ बतबैमे सहायक होइत अछि। एकटा नीक विश्वक कल्पना कम उमेरक लोकमे अपनासँ आगाँ सोचबामे सहायक होइत अछि। ई क्रीड़ा असगरे बा किछु गोटे संग कएल जा सकैए।

3. Reflect: Talk about your experience in the game.•What did you learn about the other people?•Were you surprised when people jumped up for certain prompts?•How did it feel to be up there alone?•How did it feel when you discovered others shared your experience.

Activity #2: Hope is All Around Me
Age Group: 5-12
Skill: Empathy, Confidence
Materials: Paper and pencil or camera

Why? Many times, we forget to appreciate the little things that surround us and give our lives meaning. Changemakers don't only spot problems, but they see opportunity. Changemakers are driven by hope, not fear or anger.

How? This week-long challenge is to look for five things that bring you joy each day. By doing this, you will begin to see the immense potential that surrounds you, as well as the immense potential within yourself.

Every day, write down, draw, or take a photo of something that brings you joy. Think about: What makes you smile? Does this thing make others smile? Why do you feel joy?

For example: Every Friday, you and your friends pick up a snack on the way home from school. It is a fun way to see all of your friends and enjoy a delicious treat! Take a photo of your friends with your snacks.

End of the Week Reflection
Talk with a friend or family member. Share with them everything that brought you joy! What did you learn about yourself and your community?

Activity #3: Feel, Imagine, Do, Share
Age Group: 5-15
Skill: Critical Thinking, Problem-Solving
Materials: Piece of paper, pencil

Why?Empathy can be cultivated through observation and reflection. For example, writing down takeaways can help young people internalize what they have learned. Feeling-related questions can help young people recognize and communicate their emotions with others. Imagining a better world can help young people think beyond themselves. This activity can be done independently or with a group.

केना?

क्रम १: अनुभूति। जइ समस्याकेँ अहाँ समाप्त करऽ चाहै छी तकरा चिन्हित करू। ओइ सभ परिस्थिति आ आचरणक अभिलेखन करू जे अहाँकेँ घर, विद्यालय आ समुदायमे चिन्तित करैत अछि।

कएक टा समस्याक अभिलेखनक बाद ई सभ प्रश्न अपनासँ पूछू: ई समस्या की छिऐ? ऐमे कोन तरहक पुनरावृत्ति छै? ई सभ समस्या अहाँकेँ कोन तरहेँ विचलित करैत अछि? ई सभ समस्या अनका कोन तरहेँ विचलित करैत छै?

ऐ कृयाकेँ सभ दिन एक सप्ताह धरि करू।

क्रम २: कल्पना करू। आब परिकल्पनाक समय अछि। जे सभ अहाँ देखलौं ओइ आधारपर सोचू जे ई अनका केना प्रभावित करैत अछि।

वार्तालाप: ऐ प्रयोगमे के सभ रहथि? के अहाँकेँ कने अलग हटि कऽ लगला। किए?

आब समाधान ताकै लेल मस्तिष्कपर जोर लगेबाक समय अछि। जतेक बेशी तरीका ततेक नीक! कोनो नतीजापर नै पहुँचू, सभटा सम्भावित समाधानक लिस्ट तैयार करू।

वार्तालाप: केना ऐ समस्याक समाधान भेटत? दोसरा तरीकासँ हम की सभ कऽ सकैत छी? कोन-कोन तरीकासँ अलग अलग विचारकेँ जोड़ि कऽ एकटा आरो नीक तरीका निकालि सकै छी?

क्रम ३: करू। अपन सभ विचारपर पुनर्विचार करू। अपन सभटा प्रिय विचारकेँ वृत्तसँ घेरि कऽ चिन्हित करू। कोन विचार सभसँ उत्तेजक अछि? आब अहाँ कार्य करबा लेल तैयार छी। आब अहाँ ओइ तरीकाक प्रयोग करब जे सरल अछि, तकर नै जे त्रुटिहीन अछि मुदा असम्भव अछि। आब ऐ तरीकाक प्रयोग करू, मुदा ध्यान ऐसँ उत्पन्न उत्पादपर नै वरन् ओइ उत्पादक प्रयोग जे करत तकरापर राखू।

ऐ तरीकासँ सोचू: १) ई केहन देखा पड़ैत अछि? २)ई केहन अनुभूति दैत अछि? ३)ई केहन काज करैत अछि?

क्रम ४: सझिया-साझ। अपन समाधानकेँ दोसराकेँ बताउ। ऐ मे की काज करैए की काज नै करैए, ई केना आर नीक बनाओल जा सकैए, ऐ सभपर हुनका सभसँ विचार लिअ। हुनको सभकेँ कोनो नव तरीका तकबा लेल चुनौती दिअ!

How?
Step 1: Feel. Start by identifying a problem you wish to address. Write down all the situations and behaviors that bother you in your home, school, or community.

After writing down several problems, ask the following questions: What seems to be the problem? What patterns doyou see? How do these problems make you feel? How doesthis problem make others feel?

Repeat this activity each day for a week.

Step 2: Imagine. Next comes the ideation phase. Taking what you have observed, think about how the problem affects others.

Discuss: Who did you see as the people involved in the experience? What stands out to you? Why?

Now it’s time to brainstorm a solution. The more ideas, the better! There is no judgement in brainstorming. Write down ideas as they come.

Discuss: How can we fix this problem? What can we do differently? What are different ways we can combine certain ideas to make them even better?

Step 3: Do. Review all of your ideas. Circle or vote on your favorite ideas. Which idea excites you the most? Now you’re ready to take action. Here you’re aiming for an idea that is easy to implement, not an idea that is perfect. Try implementing your idea and focus on the end-user rather than the product.

Think through the following:1) What does it look like?2) What does it feel like?3) How does it work?

Step 4: Share. Share with others your solution. Get their ideas on what works, what doesn’t work, and how it could be improved. Challenge them to come up with an idea, too!

रेबेकाक परिचय:

Meet Rebecca:



केन्याक परिवर्तनकारी अछि रेबेका। ओ अपना संग टेम्बी गर्ल्स अकादेमीमे पढ़निहारक संगे अपन मसाई समुदायकेँ शिक्षा, समर्थन आ कार्यक माध्यमसँ पर्यावरणक मित्र बनबा लेल प्रेरित केलन्हि। रेबेका आ हुनकर कक्षाक आन मित्र केँ पर्यावरण संरक्षणक लेल आपद कार्य करबाक खगता बुझाइ छन्हि आ ओइ लेल ओ सरकारकेँ चिट्ठी आ सरकारक अधिकारी लोकनिकेँ ज्ञापन दैत रहैत छथि।

Rebecca is a changemaker from Kenya, activating her classmates atTembea Girls' Academy and community to be allies for the environment through education, advocacy and action. Rebecca and her classmates share the urgency of protecting the environment and practical steps to take action, such as writing letters and petitions to government officials.

Rebecca's school was established by BEADS for Education, a nonprofit that aspires to enable young women like Rebecca to thrive through education and business development.

Rebecca's mentor or sponsor, Cynthia Moss, the founder of Amboseli Trust for Elephants, inspires her to be compassionate and attentive for every living thing. Relentlessly striving for a better world, Rebecca says, "If I do succeed in my venture, the world will be beautiful. The cattle will be fat, the children well nourished, there will be many more trees, the markets will be full of farmers' produce and the wild animals will be many."

अशोकक विषयमे

About Ashoka

अशोकक विश्वास छै जे ऐ परिवर्तनशील विश्वमे सभ गोटे लेल ई आवश्यक छै जे ओ नव परिस्थिति लेल अपनाकेँ तैयार राखथि आ परिवर्तनक धूरी बनथि, ओइमे शक्ति देथि। अशोक एकटा एहन विश्व समुदायक निर्माणमे लागल अछि जतऽ सभ परिवर्तनकारी हेतथि। "सभ परिवर्तनकारी" आन्दोलनक पाछाँ एकटा सोच अछि जइसँ सभ उमेरक लोक एहन परिस्थितिमे बढ़थि जइसँ सभक लगमे सभक नीक लेल परिवर्तनक उद्देश्य पूर्ति हेतु आवश्यक शक्ति आ क्षमता होइन्ह।

www.ashoka.org

Ashoka believes the ability to adapt to and drive change is essential for everyone to thrive in a rapidly changing world. Ashoka is building a global community that is laying the foundation for a world where everyone is a changemaker. At the heart of the Everyone a Changemaker movement is a vision to transform the way children and young people grow up so everyone has the power and skillset to create change for the good of all.

www.ashoka.org

About Worldreader

Worldreader believes that readers build a better world. We work with partners globally to support vulnerable and underserved communities with digital reading solutions that help improve literacy and learning outcomes for children.

www.worldreader.org

रेबेका, मसाई केर परिवर्तनकारी, केन्याक कम उमेरक बचियाक सत्य घटनापर आधारित अछि, जे जलवायु परिवर्तनक बाद ओकर समुदायपर पड़ल दुष्प्रभावसँ चौंकि गेलि। ओ ऐ विषयपर अपन ज्ञान बढ़ेलक आ फेर अपन समुदाय आ सरकारकेँ ऐपर कार्य करबा लेल प्रेरित केलक।

ई बाल चित्रकथा अशोक आ वर्ल्डलीडरक बीचक सहयोगक परिणाम अछि। ई पोथी सभ ठामक बच्चाकेँ परिवर्तनकारी बनेबा लेल प्रेरित करबाक आ पैघकेँ हुनकर ऐ कार्यमे सहयोग करबाक उद्देश्यसँ रचित कएल गेल अछि।

Rebecca, The Maasai Changemaker is inspired by the true story of a young girl in Kenya who was alarmed by the signs of climate change in her community. She educated herself about the problem, then galvanized her community and the government to take action.

This children's picture book is the result of a collaboration between Ashoka and Worldreader. It is intended to inspire children everywhere to become Changemakers and encourage adults everywhere to support them in their journey.

ई बाल चित्रकथा अशोक आ वर्ल्डलीडरक बीचक सहयोगक परिणाम अछि। ई पोथी सभ ठामक बच्चाकेँ परिवर्तनकारी बनेबा लेल प्रेरित करबाक आ पैघकेँ हुनकर ऐ कार्यमे सहयोग करबाक उद्देश्यसँ रचित कएल गेल अछि।

This children's picture book is the result of a collaboration between Ashoka and Worldreader. It is intended to inspire children everywhere to become Changemakers and encourage adults everywhere to support them in their journey.